बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय

हाल ही में बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की **185वीं जयंती** मनाई गई।

- 27 जून 1838 को जन्मे बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय एक अनुकरणीय **उपन्यासकार, सामाजिक व्यंग्यकार, पत्रकार और बंगाल पुनर्जागरण के प्रमुख व्यक्ति** थे।
- उन्होंने **संस्कृत में वंदे मातरम की रचना की**, जिसके पहले **दो छंदों को राष्ट्रीय गीत** के रूप में अपनाया गया और यह **स्वतंत्रता संग्राम में लोगों के लिये प्रेरणा** का स्रोत था।
- उनके और भारतीय साहित्य के बेहतरीन ग्रंथों में से एक, **आनंदमठ (1882)**, जो **संन्यासी विद्रोह (1770-1820) की पृष्ठभूमि पर आधारित है**, में भी वंदे मातरम शामिल है।
  - बंगाल में 1770 के **भीषण अकाल** के बाद संन्यासियों ने विद्रोह कर दिया, जिससे भयंकर **अराजकता और दुःख** पैदा हो गया।
- उन्होंने **1872 में** एक मासिक साहित्यिक पत्रिका, **बंगदर्शन** की भी स्थापना की, जिसके माध्यम से बंकिम को बंगाली पहचान और **राष्ट्रवाद के उद्भव** को प्रभावित करने का श्रेय दिया जाता है।
- उनकी अन्य उल्लेखनीय कृतियों में **दुर्गेशनंदिनी (1865) कपालकुंडला (1866), कृष्णकांतर विल (1878), देवीचौधरी (1884), बिशबृक्ष (द पॉइज़न ट्री), चंद्रशेखर (1877) और राजमोहन की पत्नी** शामिल हैं।
  - उन्होंने एक वकील और **जिला न्यायाधीश** के रूप में भी काम किया।

और पढ़ें: बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/bankim-chandra-chattopadhyay-1